ओसवाल प्रकाश

सम्पादिका : ममता सुराना

ओसवाल मित्र मण्डल का मासिक मुखपत्र R.N.I. No. MAHHIN/2000/4037

वर्ष - १४ अंक - १२ मुंबई - दिसम्बर 2015 मूल्य - 1 रुपया

दान की महिमा

दान का महत्व : अनादिकाल से हर धर्म में, हर देश में, हर समाज में रहा है । मनुष्य जन्म की सार्थकता ही अन्य प्राणियों की सेवा, सहायता और दान में है ।

अपरिग्रह और दान : भगवान महवीर स्वामी का अपरिग्रह का सिद्धान्त भी दान की ओर इंगित करता है । यह आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के संग्रहण को रोकता है अर्थात् आपके पास जो अधिक है, वह अन्य को प्रदान करें ।

विभिन्न प्रकार के दान : सभी धर्मों और समाज के दान को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न त्यौहार एवं प्रसंग बनाए गए हैं । दान हेतु मकर संक्रांति, सूर्यग्रहण, चन्द्रग्रहण, कन्यादान, गोदान, पितृ दान आदि प्रसंग किसी न किसी रुप में दान देने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करते हैं ।

दान के बारे में मान्यता : दान देने को प्रायः वस्तु, धन, धान्य आदि को प्रदान करना समझा जाता है । इसी प्रकार यह भी एक धारणा है कि दान देनेवाला धनवान ही हो सकता है तथा प्राप्त करनेवाला गरीब ही है । अतः हमें दान के बारे में विस्तार से समझना होगा ।

भावना दान : दान में सर्वोत्तम और सबसे कठिन दान है तो वह है भावना दान । क्षमादान और अभयदान इसी श्रेणी में हैं । क्षमादान या अभयदान इसी श्रेणी में हैं । क्षमादान या अभयदान किसी को कहकर देना तो अति आसान है किन्तु भावना से, मन के अन्तःकरण से क्षमा दान/अभयदान महत्वपूर्ण है । जैन धर्म में क्षमादान का महत्व इसी से प्रतिपादित होता है कि महापर्व पर्युषण पर प्राणी मात्र से क्षमा मांगी जाती है और इसीलिए कहा गया है क्षमा वीरस्य भूषणम्।

दान शरीर से : शरीर के किसी हिस्से के दान से अन्य व्यक्तियों के जीवन में रोशनी भरी जा सकती है । नेत्र दान, रक्तदान, किडनी या अन्य अंग, मरणोपरांत शरीर को चिकित्सा विज्ञान हेतु दान, आदि ऐसे दान हैं जो अनमोल तो हैं, प्रत्येक व्यक्ति कर सकता है ।

श्रमदान और ज्ञानदान: श्रमदान एवं ज्ञानदान ऐसे जिसमें मनुष्य अन्य प्राणीयों की सहायता, सेवा में कर सकता है । श्रमदान के अन्तर्गत अन्य प्राणीयों, मनुष्यों, पशु-पक्षियों, अपंग वृद्धों एवं घायल व्यक्तियों/प्राणियों की सेवा सुश्रुषा करता है । इसमें जहां स्वयं को आत्म शांति मिलती है, वहीं अन्य प्राणियों को राहत प्राप्त होती है । इसी प्रकार ज्ञानदान या अन्य ज्ञान का प्रसार पूरी मानवता सृष्टि, पर्यावरण और विकास के हित में है ।

दान की महत्ता : दान की सार्थकता तभी है, जब इसके पीछे बडप्पन या नाम की इच्छा न हो । नाम अथवा बडप्पन हेतु दिया गया दान, आत्मशांति प्रदान नहीं करता, वह सिर्फ अहं को तुष्ट करता है ।

गुप्त दान : गुप्तदान ही सर्वोत्तम दान है । इसीलिए कहा जाता है कि दान इतना गुप्त होना चाहिए कि यदि दायां हाथ दान देता है तो बाएं हाथ को मालूम नहीं पडना इतना गुप्त होना चाहिए । हमें अपनी दान देने की क्षमता को स्वयं की न समझकर ईश्वर की देन समझना चाहिए और स्वयं को इसका एक माध्यम मानना चाहिए । कबीरदासजी ने कहा है कि जब मैं दान देता हूं तो मेरी नजरें नीची रहती हैं. क्योंकि दान लेनेवाला समझता है कि दान मैं दे रहा हूं. जबकि दान देने वाला कोई और ही है (यानि ईश्वर है) अतः हमारा दान का मूलमंत्र तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा।

■ ■ ■

ओसवाल मित्र मण्डल के सदस्य कैसे बने ?

ओसवाल मित्र मण्डल की

आजीवन सदस्यता 5,500/- रुपये आप भी मण्डल से जुड़कर सेवाकार्यो में सहयोग देवें ! अधिक जानकारी हेतु ऑफीस के पुन्नालालजी भाटीया से 022-26287187 पर संपर्क करे.

OSWAL MITRA MANDAL
59, Jolly Maker Chambers 2,Nariman Point, Mumbai 400 021 Phone No : 22022306 ,
Email : ajit@kucheria.co.in

"SANGEETA JAIN ANNUAL TALENT PROGRAMME"

Date: Sunday 17th January, 2016 at 2.45 p.m.

Address: Veer Savarkar Auditorium, Shivaji Park, Besides Mayors Bungalow, Dadar (West).

I. TALENT COMPETITION:-

The members can either play any instrumental music, dance, singing, mimicry, stand up comedy, any other talent.

1. Age Limit: Between 8 to 15 years
2. Time: 2 minutes

II. FANCY DRESS COMPETITION:-

GROUP "A"

1. Age Limit: Upto 8 years
2. Time: 2 minutes

III. DANCE COMPETITION:-

1. Age Limit: Upto 12 years
2. Time: 2 minutes

1. The participants can only participate in either Fancy Dress or Dance Competition & not in both.

2. The Participants are requested to get their own Dance song recorded on a blank C.D Cassettes .Besides the one dance song , the C.D. should not contain any other track so as to avoid confusion at the time of playing the CD during the programme.

3. Kindly write the participants name clearly on the C.D. & not on the cover.

4. It there are more than one participants from one family then each of their dance song should be recorded on a separate C.D.

5. The song will be strictly switched off after 2 minutes irrespective whether the dance is complete or not

IV. MARK SHEETS:-

1. All students securing above 85% in their Annual Examination would be honoured.

AWARDS

2. The student securing highest marks at the S.S.C. would be awarded the **`SHRI BANSILAL KUCHERIA MEMORIAL AWARD'.**

3. The student securing highest marks at the **I.C.S.E** in 10th Standard would be awarded the **"MANJU & MANGAL PRABHAT LODHA AWARD".**

4. The student securing highest marks at the H.S.C. examination in Science Faculty would be awarded the **`SHRI NEMICHAND & SMT.KAMLA KOTHARI MEMORIAL AWARD'**

5. The student securing highest marks (Even if less then 85%) at the H.S.C examination in Commerce Faculty would be awarded the **``SETH MOTILAL TALERA MEMORIAL AWARD".**

6. The student securing highest marks (Even if less then 85%) at the H.S.C. examination in Arts Faculty would be awarded the **"SHRI HUKUMSINGHJI RAJESH KOTHARI MEMORIAL AWARD".**

7. Special prize for any other postgraduate examination (in case of any meritorious students (Even if less then 85%), to be decided by the Mandal) would be awarded the **"SHRI CHANDRESH LODHA MEMORIAL AWARD" .**

8. Special Prize for student securing highest marks in Science in Std. X **" SHRI RATANLAL RANKA MEMORIAL AWARD ".**

9 All participants should calculate the percentage (%) on the mark sheet itself.The mark sheets may please be emailed or couriered to:

Smt. Sarita duggar,
903, Gulshan -2, Juhu Cross Lane,
Andherin (West), Mumbai-400 058.

M.: 98205 88607
Email.: rhd_srd@Rediffmail.com

C.L. Jain	**Manju Lodha**	**Ajit Kucheria**
Chairman	Convenor	Secritory

ओसवाल शहनाई

ओसवाल मित्र मंडल मैट्रीमोनियल बायोडाटा बैंक
47, Ratnajyot Industrial Estate,
Irla Gauthan, Irla Lane, Vile Parle (West),
Mumbai - 400 056. Tel. : (022) 6571 2566, 2628 7187
Email : oswalmatrimony@gmail.com

वधू चाहिए

MPG - 978 04.08.1984 5'7" एम. सी.ए. जलगांव निवासी हेतू वधू चाहिए । शाखे-कटारिया, गांधी, मूनोत, कोठारी।

MPG- 977 09.03.1984 5'10" बी.काम.,एम.बी.ए.,मुबई निवासी हेतू वधू चाहिए । शाखे-वैदमेहता, ओसतवाल।

MPG-975 08.10.1986 5'11" एम.बी.ए.,एल. एल.बी.मुंबई निवासी हेतू वधू चाहिए । शाखे-सचेती, तातेर, चोरडिया, लोढा।

ME - 968 18.06.1991 5'5" बी.टेक., एम. एस., जलगांव निवासी हेतू वधू चाहिए । शाखे-चोरडिया, पलावट, सुरान, डडा ।

ME - 963 12.03.1989 5'10" बी.ई. मुंबई निवासी हेतू वधू चाहिए । शाखे-मेहता, परमार, सोलंकी।

ME - 959 19.08.1987 5'4" बी.ई, एम.बी.ए.राजनन्दगांव निवासी हेतू वधू चाहिए । शाखे-गोलछा, बाफना, वैद, चोरडिया ।

MCA -306 16.10.1989 5'10" सी.ए.,एम कॉम,एम.बी.ए. मुंबई निवासी हेतू वधू चाहिए । शाखे-मूनोत, वैद।

MCA -305 29.04.1990 5'9" सी.ए.,पुने निवासी हेतू वधू चाहिए । शाखे-चौरडिया, सिंघवी, सोनीमिंडे, वैदमुथा।

MD-224 28.10.1986 5'8" एम,बी.बी.एस., एम.एस.,मुंबई निवासी हेतू डॉक्टर वधू चाहिए । शाखे-पोखरना, बाफना, बम्ब, बोहरा।

MG -1310 15.02.1988 6'0" बी.काम., सुरत निवासी हेतू वधू चाहिए । शाखे-बाठिंया, बुचा।

वर चाहिए

FD-434 17.06.1987 5'4" बी.डी.एस.,दुर्ग निवासी हेतू वर चाहिए । शाखे-पिंचा, गोलेच्छा, कांकरिया, झाबक।

FD-433 20.08.1990 5'6" बी.डी.एस., पुने निवासी हेतू वर चाहिए । शाखे-गेलडा, मुथा, नाहर, करनावट।

FD-432 20.12.1988 5'3" एम.बी.बी.एस., एम.डी, मुंबई निवासी हेतू वर चाहिए । शाखे- कच्छरा, लोढा, चोरडीया, खिमेसरा।

FPG-1530 06.06.1987 5'3" पी.एच.डी,रतलाम निवासी हेतू वर चाहिए । शाखे- चंडालिया, पिपाडा, भरकतिया, चोरडीया।

FPG-1524 01.09.1986 5'5" बी.कॉम., एम.बी.ए. औरंगाबाद निवासी हेतू वर चाहिए । शाखे-मुगदिया, लोढा, रांका, ओस्तवाल।

FPG-1511 01.09.1990 5'4" एम. बी.ए.,इचलकरंजी (महा) निवासी हेतू वर चाहिए । शाखे-गांधी,चंडालिया, मुथा,भंडारी।

FE-520 13.05.1990 5'4" बी.ई.,मलकापुर (महा)निवासी हेतू वर चाहिए । शाखे-संचेती, खातोड. सांड, बाफना ।

FE-517 28.07.1991 5'3" बी.ई., निमच(एम.पी.) निवासी हेतू वर चाहिए । शाखे-राठौड, चापडा, अबानी, डांगी ।

FG-1642 27.11.1990 5'7" बी.काम.,सी.ए.,इरनकुलम (केरला) निवासी हेतू वर चाहिए । शाखे-सुराना, कंकू चोपडा।

FG-1616 05.08.1987 5'0" बी.काम.,सी.ए. पुने निवासी हेतू वर चाहिए । शाखे-भुटोरिया,दुगर।

ENTRY FORM FOR PARTICIPATION IN THE TALENT PROGRAMME

NAME OF PARTICIPANT : ____________________

SEX : Male/Female ____________ NO. OF PARTICIPANTS ____________ AGE : ____________

ADDRESS : ____________________

____

TELEPHONE NOS. : (M) ____________ (R) ____________

EMAIL : ____________________

I am interested in participating in the following item :

DRAMA **DANCE** **TALENT SHOW**

hereby undertake to abide by all our Rules & Regulations.
I will bring my own costumes, make-up kit, musical accompaniments, photographer etc. at the programme.

I will abide by the decision of the Panel of Judges.

Date : ____________ SIGNATURE OF PARTICIPANT

The Annual General Meeting

The Annual General Meeting of the Mandal will be held on Saturday, the 26th December, 2015at 11.00 a.m. Office No 47, 1st Floor, Ratnajyot Industrial Estate, IrlaGaothan, Irla Lane, Vile Parle (West),MUMBAI – 400 056 to consider following:

1. To approve the Minutes of the Annual General Meeting held on Sunday 11th January 2015.

2. To adopt the Executive Committee's Report and the Audited Accounts for the year ended 31st March, 2015.

3. To elect members of the Executive Committee in place of the following who are retiring by rotation but being eligible are due for re-election.

    1. Shri Hemrajji Jain
    2. Shri Dharmeshji Jain
    3. Shri Anilji Todarwal
    4. Dr. Inderchandji Baid
    5. Smt. Mamataji Surana
    6. Smt. Arunaji Bora
    7. Shri Mahendraji Kumbhat
    8. Dr. Sureshji. Sabhadra
    9. Shri Madanchandji Parakh
    10. Shri Bhawarlalji Dagliya (Jain)

4. To appoint Auditors for the next year.

5. (a) Nominations are invited from members for the elections.

   (b) The nominations should reach the office of the Mandal not later than 23rd December, 2015 by 4.00 p.m.

   © The nomination should be proposed by one and seconded by another member of the Mandal.

6. Any other matter with the permission of the Chair, for which intimation in writing should be sent to the Mandals Office atleast 5 days prior to the date of the Annual General Meeting.

If at the appointed hour sufficient quorum is not present, the meeting shall stand adjourned. Adjourned meeting shall take place half an hour thereafter at the same place and whatever be the number of the members present, the same shall form quorum and at the same meeting the entire business shall be transacted.

Ajit Kucheria
Date: 5th September, 2015
GENERAL SECRETARY

R. N. I Registration No. MAHHIN/2000/4037
Postal Reg.No. MCS/037/2015-17
Posted at Mumbai Patrika Channel Sorting Office, Mumbai-1
Date of Publication - 10th of Every Month.
Posting Date 14th & 15th of Every Month.
WPP LICENSE NO - MR/TECH/WPP-123/SOUTH/2015
License to post without pre payment

From : **Oswal Mitra Mandal**
59, Jolly Maker Chambers No.2, 225,
Nariman Point, Mumbai - 400 021.
Phone : 2202 2306.

स्वत्वाधिकारी ओसवाल मित्र मंडल के लिए प्रकाशक, मुद्रक अजीत कुचेरिया द्वारा सुशील कापी सेन्टर, ५२ - ए, एन.एम. रोड फोर्ट, मुंबई - ४०० ०२३. से मुद्रित एवं ओसवाल मित्र मंडल, ५९ जॉली मेकर चेम्बर्स नं. २, नरीमन पाईंट, मुंबई - ४०० ०२१ से प्रकाशित

प्रकाशक - **अजीत कुचेरिया**
संरक्षिका - मंजु मंगलप्रभात लोढ़ा
सम्पादिका - **ममता सुराना (मो. 9833938604)**
B.SC., LL.B. (Gold Medal), Vishard (Vocal)
सम्पादकीय पता -
यशोवन, १३०२, टी.एच.कटारिया मार्ग, माहिम (प.), मुंबई - १६.
Email : mamata.surana@gmail.com

प्रवचन मोती

संत समागम

सुना है पारस का स्पर्श होते हीं लोहा स्वर्ण बन जाता हैं, परंतु हाँ ! वह लोहा पारस तो कदापि नहीं बनता है । परंतु ये संत-महात्मा तो कोई अलौकिक ही पारस हैं, उनके समागम से लोहे समान अपनी आत्मा पारस ही बन जाती है । संत समागम जीवन के वन को उपवन में बदलने में सक्षम है । दानव को देव और मुर्ख को महान् बनाने की ताकत रही हुई है । कांचन का समागम तो बहुत किया, आवश्यकता है अब **संत पारस के समागम की ।**

आचरण

बीसवी सदी का आश्चर्य है आज शब्दों का व्यवहार बहुत ही सस्ता हो गया है किंतु कर्तव्य का पालन अत्यंत ही महँगा हो गया है । सिर्फ साहित्यिक और लालिन्यपूर्ण शब्द प्रयोग-भाषणों से कार्य की सिद्धि होनेवाली नहीं हैं । कार्यसिद्धि के लिए तो चाहिए कर्तव्य की बेदी पर बलिदान देने की तैयारी । विज्ञान की नई नई शोधों के साथ इस युग में वाक्छटा भी खूब खूब विकसित हुई हैं, जबकि उन्हीं शब्दों को जीवंत रुप देने-दिलाने के लिए किसी की तैयारी नहीं हैं ।